



BRIEF CONTENTS

1. Swami Vivekananda: The Innovator of Management Values - DR. Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.)	01-07
2. Colonial Judicial Administration at the District Level: A Case Study of Agra in the 19th Century - Pinky Prajapati, Agra (U.P.)	08-09
3. National Education Policy (NEP) in Home Science Curriculum : Implementation Roadmap - DR. Anupama Mishra, Tura (Meghalaya)	10-13
4. Innovative Approaches in Teacher Education - DR. Devendra Kumar, 2. DR. Pragya Boudh, Ghaziabad (U.P.)	14-17
5. Transformation of Marriage Institutions among Urban Youth: A Sociological Analysis in Patna - DR. Madhavi, Patna (Bihar)	18-22
6. Dynamics of Population Growth and It's Impact on Land Use/Land Cover in Bahraich District, Uttar Pradesh - Pradeep Kumar Tiwari, 2. DR. Lalit Kumar Dubey, Farrukhabad (U.P.)	23-31
7. Lord Shiva: An Approach to Management - DR. Ashok Kumar Srivastava, Ballia (U.P.)	32-35
8. Higher Education in India: Vision-2047-The Changing Education Landscape in India - DR. Shweta Singh, 2. Shafali Jain, Ghaziabad (U.P.)	36-37
9. भारतीय शासन व्यवस्था में सशक्तिकरण की अवधारणा - डॉ० माधव प्रसाद पांडेय, गोरखपुर (उ०प्र०)	38-39
10. हिन्दी उपन्यासों में आदिवासी विमर्ष - डॉ० कृष्णकान्त चन्द्रा, बाराबंकी (उ०प्र०)	40-42
11. बिहार में जाति एवं राजनीति : परिवर्तित प्रवृत्ति (एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) - डॉ० सत्येन्द्र सिंह, मखदुमपुरी (बिहार)	43-44
12. भारतीय राजनीति में परिवारवाद: एक विश्लेषण - डॉ० शैलेन्द्र श्रीवास्तव, दरभंगा (बिहार)	45-54
13. ऊटी-मद्रास काण्ड के नायक-शम्भू नाथ आजाद - श्रीमती निर्मला सिंह, फिरोजाबाद (उ०प्र०)	55-56
14. प्राचीर विहीन कारागार का उद्भव एवं विकास - डॉ० अवध किशोर सिंह, मधेपुरा (बिहार)	57-59
15. आपराधिक व्यवहार के जनन में उत्पीड़ित व्यक्तियों की भूमिका - डॉ० प्रमोद कुमार, गया (बिहार)	60-62
16. अपराध निवारण के कार्यक्रम - डॉ० उपेन्द्र कुमार मिश्र, अरवल (बिहार)	63-65
17. राष्ट्रीय स्वाभिमान का प्रतीक -लाचित बोरफुकन - श्रीमती निर्मला सिंह, फिरोजाबाद (उ०प्र०)	66-68
18. भारत पर अमेरिकी टैरिफ का सैन्य प्रभाव: एक विश्लेषण - डॉ० विशाल कुमार श्रीवास्तव, कानपुर (उ०प्र०)	69-71
19. भारत में शिक्षा का अधिकार तथा कानून का क्रियान्वयन - डॉ० पुतुल कुमारी, पटना (बिहार)	72-73
20. भारत की विमुक्त-घुमंतू जातियाँ (DNTs) और यूरोप के रोमा (Gypsies): (भाषा, विस्थापन और राज्य-दमन का तुलनात्मक ऐतिहासिक-सांस्कृतिक अध्ययन) - डॉ० बी० के० लोधी, (उ०प्र०)	74-75
21. भारतीय समाज में महिला आन्दोलन - डॉ० सुनील कुमार, मीरजापुर (उ०प्र०)	76-78
22. भारतीय ज्ञान परंपरा में वैज्ञानिकता तथा लोकमंगल की भावना - प्रो० (डॉ०) नमिता निगम, 2. विकास कुमार भारद्वाज लखनऊ (उ०प्र०)	79-83
23. आधुनिकता-बोध की दृष्टि से हरिकृष्ण कौल की कहानियाँ - रुकसाना सादिक, श्रीनगर (जम्मू & कश्मीर)	84-85
24. अश्वघोष की रचनाओं में धर्म एवं समाज - डॉ० त्रिभुवन, सन्त कबीर नगर (उ०प्र०)	86-87
25. भारतीय ज्ञान परंपरा नवीन शिक्षण धोरण २०२० आणि शाश्वत विकास: प्राच्यविद्या आणि ऐतिहासिक दृष्टीकोनातून विष्लेषण - बालाजी केंद्रे, मुंबई (महाराष्ट्र)	88-91



26. आयुर्वेद – चिकित्सा का भारत बोध 92-96
– डॉ० ऋषभ कुमार, मीरजापुर (उ०प्र०)
27. Investigation On Application of AI Technology In Auditing 97-105
– Hemant Kumar Menna, 2. DR. Manoj Kumar, Agra (U.P.)
28. Emerging Growth Opportunities in Uttarakhand: Analysing the Role of the 106-109
Manufacturing and Service Sector
– DR. Kanupriya, Haridwar, (Uttarakhand)
29. रीति कालीन भक्ति-काव्य 110-111
– डॉ० संतोष कुमार पाल, संतकबीरनगर (उ०प्र०)
30. भारत में इतिहास लेखन की पद्धतियाँ एवं वृत्तांत की समस्या : एक तुलनात्मक अध्ययन 112-117
– अमित कुमार तिवारी, गोरखपुर (उ०प्र०)
31. पूर्वांचल में शैक्षिक विकास और सामाजिक परिवर्तन के संदर्भ में बाबा राघवदास का योगदान: एक 118-119
विश्लेषणात्मक अध्ययन
– डॉ० यशवंत सिंह, गोरखपुर (उ०प्र०)
32. ग्रामीण समाज में डिजिटल शिक्षा : चुनौतियाँ एवं सम्भावनाएं 120-124
– शोभा प्रजापति, वाराणसी (उ०प्र०)
33. TO STUDY THE EFFECT OF BRAIN-BASED LEARNING STRATEGIES ON 125-130
COGNITIVE STYLE OF PUPIL TEACHERS
– Deeksha Sharma, 2. Prof. A.K. Kulshrestha, 3. DR. Pallavi Dubey
34. भारतीय पुनर्जागरण के राष्ट्रवादी स्वर और महामना मालवीय का पर्यावरणीय दृष्टिकोण 131-135
– कृति तिवारी, नई दिल्ली
35. बदलती जीवनशैली एवं बालकों के स्वास्थ्य पर इसका प्रभाव 136-137
– स्नेहा शर्मा, 2. डॉ० प्रिया कुमारी, आरा (बिहार)
36. EXPLORING THE INTERPLAY OF SOCIAL INTELLIGENCE, PEER AND FAMILY 138-144
RELATIONSHIP IN ADOLESCENTS OF HARYANA
– DR. Meera Rani, Ara (Bihar), 2. DR. Sumit, Bangalore (Karnataka)
37. A STUDY ON PARENT'S ATTITUDE TOWARDS SEX EDUCATION WITH 145-147
CERTAIN SELECTED VARIABLES
– Vandana Yadav , 2. DR. Anamika Singh, 3. Bharti Yadav, Shikohabad(U.P.)
38. Field-level damage symptoms and larval ecology of major sugarcane borers in 148-152
Eastern Uttar Pradesh, India
– Amit Kumar Sharma, Ayodhya (U.P.), 2. Arvind Kumar Sharma, Ayodhya (U.P.), 3. Jyotima Tripathi, Amarkantak, (M.P.), 4. Krishna N. Mishra, Sonbhadra (U.P.)
39. बाल गंगाधर तिलक के सामाजिक-आर्थिक विचारों की अवधारणा 153-156
– डॉ० अरविन्द कुमार, चित्रकूट, (उ.प्र.)
40. मिथिला में सांस्कृतिक विधि-व्यवहार : परिवर्तन तथा गतिशीलता-दरभंगा जिला के संदर्भ में समाजशास्त्रीय 157-159
अध्ययन
– डॉ० संजीव कुमार झा, मधुबनी (बिहार)
41. सोशल मीडिया और युवाओं के सामाजिक संबंध : एक समाजशास्त्रीय विश्लेषण 160-164
(पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय, पटना के युवाओं के संदर्भ में)
– सुबोध चौधरी, 2. डॉ० विश्व आनन्द, मुजफ्फरपुर (बिहार)
42. Patriarchy, Caste, and Customary Obligation: A Sociological Understanding of 165-168
Traditional Gender Roles in Madhya Pradesh
– Alima Fatima, Lucknow (U.P.)
43. भारत में जेंडर बजट: 25 वर्षों का विश्लेषण, प्रवृत्तियाँ और लैंगिक समानता हेतु नीतिगत दिशा 169-172
– प्रतिमा सिंह, बरेली (उ०प्र०)
44. सामाजिक परिवर्तन में फेसबुक की भूमिका का एक समाजशास्त्रीय अध्ययन (युवाओं के अध्ययन पर आधारित) 173-176
– डॉ० अर्चना श्रीवास्तव, 2. डॉ० राजीव कुमार श्रीवास्तव, बलिया (उ०प्र०)
45. उत्तर-पूर्व क्षेत्र का विद्रोह : कारण, स्वरूप एवं समाधान 177-179
– डॉ० अनूप कुमार श्रीवास्तव, गोरखपुर (उ०प्र०)
46. भक्तिकाल के विकास में नाथ संहित्य का योगदान 180-182
– डॉ० रेखा पन्त, आयोध्या (उ०प्र०)
47. जनपद बदरौं के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रचलित भगत प्रथा के कारण और आयोजन प्रक्रिया : एक समाजशास्त्रीय 183-184
अध्ययन
– कृष्ण वीर सिंह, 2. प्रो० पूनम सक्सेना, बरेली (उ०प्र०)
48. उत्तर प्रदेश में ग्रामीण एवं शहरी खुदरा विपणन: प्रयागराज का समीक्षात्मक अध्ययन 185-187
– गौरव कुमार यादव, 2. प्रो० शशिबाला, वाराणसी (उ०प्र०)



49. कृत्रिम बुद्धिमत्ता और हिंदी साहित्य: अवसर, चुनौतियां एवं भविष्य
– प्रियांशा त्रिपाठी, उन्नाव (उ०प्र०)

188-192